

तुलसीदास

कवि परिचय :

हिन्दी साहित्य के भक्ति-काल में गोस्वामी तुलसीदास का स्थान सर्वोपरि है । तुलसीदास का जन्म सन् 1532 में भाद्र-शुक्ल एकादशी, मंगलवार को हुआ । उनके पिता का नाम आत्माराम और माता का नाम हुलसी था । जन्म लेते ही तुलसीदास ने राम-नाम का उच्चारण किया; इसीलिए उन्हें 'रामबोला' के नाम से भी पुकारा गया । तुलसीदास के गुरु श्री नरहरिदास थे । तुलसीदास का विवाह दीनबंधु पाठक की कन्या रत्नावली से हुआ । पत्नी की प्रेरणा से तुलसीदास अपना घर छोड़कर वैरागी हो गये । वे काशी में रहे और सांसारिक विषय-वासनाओं को त्यागकर राम-भक्ति में लीन हो गये । वे अवधी तथा ब्रजभाषा में काव्य-रचना करते रहे ।

तुलसीदास की प्रमुख रचनाएँ हैं- रामचरितमानस, कवितावली, गीतावली, दोहावली, बरवै रामायण, रघुवरशलाका, जानकी-मंगल, श्रीरामलला-नहछू, श्रीपार्वतीमंगल और विनय-पत्रिका ।

दोहे

- तुलसी काया खेत है, मनसा भयो किसान ।
पाप-पुण्य दोउ बीज हैं, बुवै सो लुनै निदान ॥
- बहुसुत, बहुरुचि, बहुवचन, बहु अचार-व्यौहार ।
इनको भलो मनाइबो, यह अज्ञान अपार ॥

शब्दार्थ

काया - शरीर । मनसा - मन । दोउ - दो । बुवै - बोता है । लुनै - प्राप्त करता है । बहुसुत - अनेक संतान । बहुरुचि - अधिक कामना । अपार - ज्यादा । अचार - व्यौहार - आचार - व्यवहार ।

दोहों को समझें :

- मानव का शरीर कर्मक्षेत्र है । उसका मन किसान है । पाप और पुण्य दो बीज हैं । जो जैसा बीज बोता है, वह उसी प्रकार फल प्राप्त करता है । मतलब यह है कि मनुष्य जैसा कर्म करता है, उसी के अनुसार फल पाता है ।
- जान-बुझकर गलती करनेवाले को उपदेश देना मूर्खता है । जिस व्यक्ति की अनेक संतानें हों, अनेक कामनाएँ हों और समयानुसार जिनके आचार-व्यवहार बदलते हों; उन लोगों की भलाई चाहना मूर्खता है ।

प्रश्न और अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में दीजिए ।
(क) 'बुवै सो लुनै निदान' का तात्पर्य क्या है ? पठित दोहे के आधार पर समझाइए ।
(ख) किन-किन लोगों की भलाई करने को अज्ञान कहा गया है ?
2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक शब्द में दीजिए ।
(क) खेत किसे कहा गया है ?
(ख) किसान कौन है ?
(ग) पाप-पुण्य क्या हैं ?
(घ) जिसकी अनेक संतान हों, उसकी भलाई चाहना क्या है ?
3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में दीजिए ।
(क) मानव के शरीर को क्या कहा गया है ?
(ख) दो बीज कौन-कौन - से हैं ?
(ग) बार-बार अपने आचार - व्यवहार को बदलनेवाले की भलाई चाहने को क्या कहा गया है ?

1. निम्नलिखित शब्दों का समानार्थी शब्द लिखिए ।

काया, किसान, सुत, मनसा

2. निम्नलिखित शब्दों का विलोम शब्द लिखिए ।

पाप, अज्ञान, अपार

3. निम्नलिखित अशुद्ध शब्दों को शुद्ध कीजिए ।

तुलसि, किषान, पुन्य, सूत, रूचि

4. इन शब्दों पर ध्यान दीजिए ।

काया, किसान, बीज, सुत

इन शब्दों से उनकी पूरी जाति का बोध होता है ।

याद रखिए -

जिस शब्द से पूरी जाति का बोध होता है, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं ।

